बच्चों के लिए शहर

the yp foundation

बच्चों के लिए शहर

the yp foundation

द्वारा समर्थित

THE GLOBAL FUND FOR Children

सहभागी

जागोरी JAGORI

SAFETIPIN
Supporting Safer Communities

विषयवस्तु

संगठन का विवरण (प्रोफाइल)

शहरीकरण और अपने शहरों के लिए युवाओं के अधिकार

बच्चों के लिए शहर – सुरक्षा ऑडिट और युवा नेतृत्व में पैरवी के अनुभव

सुझाव

प्रभाव और आगे का रास्ता

दी वाई. पी. फाउंडेशन

दा वाई. पी. फाउंडेशन की स्थापना 2002 में एक युवा नेतृत्व और युवाओं द्वारा चलाए जाने वाले (टी.वाई.पी.एफ.) संगठन के रूप में की गई थी। टी.वाई.पी.एफ. युवाओं के मानव अधिकारों को नारीवादी नेतृत्व के निर्माण के द्वारा प्रोत्साहन, संरक्षण देता है और आगे बढ़ाता है और युवा नेतृत्व वाली पहलों और आंदोलनों को मजबूत बनाता है। यह युवाओं को उनके स्वास्थ्य, शिक्षा और अधिकारों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी पर पहुँच प्राप्त करने के लिए सशक्त बनाता है, और उन्हें इस जानकारी का विश्लेषण करने और उसे अपने विकास के लिए इस्तेमाल करने, और सफल नेता और पैरोकार बनने के लिए सक्षम बनाता है।

वर्तमान में, हमारे कार्यक्रम दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में हाशिए के और कमजोर समुदायों से युवाओं के साथ काम करते हैं।

शुरुआत से ही, टी.वाई.पी.एफ. ने देश भर में 450,000 किशोरों और युवाओं तक पहुँच बनाते हुए, पिछले 12 वर्षों में भारत भर में 300 से अधिक परियोजनाओं को स्थापित करने के लिए 6,500 युवाओं के साथ सीधे काम किया है।

टी.वाई.पी.एफ. के प्रमुख कार्यक्रमों में से एक – विभिन्नि तरंगों का मिलान (ब्लेन्डिग स्पेक्ट्रम) – शहरी मलिन बस्तियों और कम संसाधन वाले परिवेशों में रहने वाले 5 से 17 साल की उम्र के बीच के बच्चों और किशोरों के साथ काम करता है। कार्यक्रम, अधिकार आधारित और युवा नेतृत्व वाले समर्थक वातावरण का निर्माण करता है ताकि बच्चों में जेंडर असमानता को चुनौती देने के लिए नेतृत्व और जीवन कौशल विकसित हो, हिंसा और भेदभाव का स्तर कम हो, और सप्ताह में दो बार सहकर्मी शिक्षा (पीअर एड्यूकेटर्स) कार्यक्रम के माध्यम से अपने स्थानीय समुदायों में व्यक्तिगत स्वच्छता को बढ़ावा देने की प्रथाओं का विकास हो सके।

कार्यक्रम 2006 से निजामुद्दीन बस्ती के सुंदर नगर नर्सरी क्षेत्र में काम कर रहा है। अपने वर्तमान चरण में, कार्यक्रम समुदाय के उन नेताओं के नेतृत्व को मजबूत बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है जो इस कार्यक्रम के साथ जुड़े रहे हैं, ताकि अपने समुदाय में प्रासंगिक मुद्दों को पहचानने और संबोधित करने और भविष्य में इस कार्यक्रम का नेतृत्व संभालने के लिए उनके प्रासंगिक नेतृत्व कौशल का निर्माण किया जा सके।

शहरीकरण और अपने शहरों के लिए युवाओं के अधिकार।

पहले से कहीं अधिक से अधिक लोगों के शहरों में रहने के साथ, आज हमारी दुनिया का शहरीकरण बहुत तेजी से हो रहा है। यह एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के शहरों में विशेष रूप से सच है। शहरों की ओर इस बड़े प्रवासन को एक बेहतर कदम माना जाता है क्योंकि ग्रामीण गरीबी को अभी भी शहरी गरीबी की तुलना में अधिक तीव्र रूप में देखा जाता है। लेकिन यह हम में से कइयों के जीवन के एक वास्तविक ''मौन आपातकाल'' का अति सरलीकरण है।

शहरी गरीब घटिया आवासन और साफ पीने के पानी, शौचालय और उचित शिक्षा और एक सम्मानजनक आजीविका पाने का अवसरों जैसी बुनियादी सुविधाओं के बिना भयानक परिस्थितियों में रहते हैं। करोड़ों बच्चे भयावह स्थिति में रहते हैं, खाने के लिए बहुत कम होता है और अगर बीमार या घायल हो जाएं तो स्वास्थ्य देखभाल पर भी बहुत कम पहुँच होती है। एक लाख से अधिक बच्चों को हर साल वेश्यावृत्ति के लिए मजबूर होना पड़ता है, और इससे कई अधिक खतरनाक स्थितियों में काम कर रहे हैं। बच्चों की एक बड़ी संख्या बेघर है और सड़कों पर भीख मांग कर जिंदा रहते हैं जो उनके परिवारों और समाज की विफलता का एक मार्मिक जीवंत संकेत है।

बाल अधिकारों पर संविदा दुनिया में सबसे व्यापक रूप से स्वीकार्य अंतरराष्ट्रीय संधि है। यह परिभाषित करती है कि बच्चों के साथ उनके जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में किस तरह से व्यवहार किया जाना चाहिए। दुनिया भर के बच्चे समान हैं, उन्हें रहने के लिए सुरक्षित घर और समुदाय, अपने परिवारों का समर्थन और शिक्षा के लिए संसाधन और जब बड़े हों तब सम्मानजनक आजीविका के लिए अवसर और आराम चाहिए। सीआरसी भी बच्चों और किशोरों के लिए सुरक्षित और सहायक आसपड़ोस के महत्व पर जोर देता है। बहुत सारे समुदाय, अनुपयुक्त और भीडभाड़ वाली बस्ती के साथ एक स्तर की सुरक्षा और समर्थन देने में असफल रहते हैं और लगातार बेदखली की धमकी से शहर दुखद और डारावने स्थान बन जाते हैं।

संविदा के प्रावधानों के विस्तार स्थानीय सरकारों पर काफी सारी जिम्मेदारी डालते हैं। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि हमारे समुदायों के सबसे कम उम्र के सदस्यों के लिए इस स्थिति को बदलने के लिए स्थानीय पैरवी शुरू की जाए। आज के बच्चे कुछ दूर की समृद्धि के लिए इंतजार नहीं कर सकते। उनकी जरूरतों को आज ही पूरा किया जाना चाहिए। देशों की बढ़ती आर्थिक समृद्धि, बच्चों और किशोरों के जीवन को सुरक्षित करने पर विशेष ध्यान के साथ उच्च सामाजिक खर्च में बदलनी चाहिए।

दिल्ली के 16,300,000 लोगों में से 50 प्रतिशत शहरी मलिन बस्तियों में रहते हैं। इस बात की समझ बढ़ती जा रही है कि स्थानीय सरकारी निकाय इस पैमाने के संकट से निपटने के लिए ठीक तरह से लैस नहीं है। टी.वाई.पी.एफ. इसे पहचानता है और इस वैश्विक चुनौती को अपने एस.एन.एन. के काम से जोड़ता है। पिछले 8 वर्षों में टी.वाई.पी.एफ. ने जोखिम वाले बच्चों का नेतृत्व कौशल निर्माण किया है ताकि वे शहर के स्थानों पर कम नुकसान के साथ चल सकें। सुरक्षा ऑडिट अभ्यास सीधे सीआरसी के स्थानीय सरकार संपर्क को मजबूत करने के लिए काम कर रहे हैं और इसे शहरी गरीब बच्चों के प्रति अधिक जवाबदेह बनाते हैं।

परिचय

बच्चों के लिए शहरः 'शहरी मलिन बस्तियों में जीवन और सुरक्षा पर युवाओं की आवाजें' सुंदर नगर नर्सरी (एस.एन.एन.) के सामुदायिक युवा नेताओं द्वारा संकलित एक सुरक्षा ऑडिट रिपोर्ट है। रिपोर्ट ब्लेन्डिग स्पेक्ट्रम कार्यक्रम द्वारा सुरक्षा और सार्वजनिक स्थलों पर उठाए गए विशेष हस्तक्षेप का विवरण देती है। कार्यक्रम का उद्देश्य नेतृत्व का निर्माण करना और शहरी मलिन समुदायों में सुरक्षा के लिए प्रासंगिक मुद्दों पर युवा नेतृत्व में कार्य आरंभ करना है।

समुदाय में युवाओं के साथ लम्बे समय तक जुड़ाव के माध्यम से सुरक्षा और विशेष रूप से लड़कियों की सुरक्षा की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता सामने आई है। इसलिए टी.वाई.पी.एफ. ने इस मुद्दे पर सर्वांगीण और लगातार काम करने के माध्यम से युवाओं के नेतृत्व का निर्माण करने का प्रयास किया है। इसमें समुदाय के युवाओं के बीच मजबूत जेंडर दृष्टिकोण बनाने के साथ साथ सुरक्षा आडिट जैसे विशेष लक्ष्य उन्मुख कार्यवाही प्रोजेक्ट भी शामिल हैं।

सुरक्षा ऑडिट अभ्यास को समुदाय के युवा नेताओं के नेतृत्व कौशल को और आगे बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है। डेटा संग्रह से लेकर, विश्लेषण, और समुदाय के साथ सहभाजन और पैरवी को टी.वाई.पी.एफ. टीम से समर्थन के साथ एस.एन.एन. से युवाओं के नेतृत्व में किया गया है। इस कार्य के पीछे की सोच इन उच्च जोखिम वाले युवाओं के लिए नेतृत्व कौशल का निर्माण करना है, जो उनकी वास्तविकताओं के लिए उचित हो। इस ज्ञान और कौशल निर्माण अभ्यास का अनुमानित दीर्घकालिक प्रभाव ऐसे नागरिकों को तैयार करना है जो शहरीकरण की बदलती वास्तविकताओं को जानते हों और सुरक्षित सार्वजनिक स्थनों और गतिशीलता के अधिकार जैसे मुद्दों को संभालने के लिए लैस हों।

टी.वाई.पी.एफ. ने सुंदर नगर नर्सरी में सुरक्षा ऑडिट का संचालन करने के लिए सेफ्टीपिन और जागोरी के साथ भागीदारी की। सेफ्टीपिन एक मोबाइल ऐप्लिकेशन है जो दुनिया भर के विभिन्न शहरों से सुरक्षा आंकड़ों को अनेक प्रकार के लोगों और इंटरनेट (क्राउडसोर्स) से प्राप्त करती है और संगठनों और समुदायों को पैरवी के लिए इसका इस्तेमाल करने के लिए सक्षम बनाती है। जागोरी भारत का अग्रणी नारीवादी संगठन है जो पिछले 30 सालों से महिलाओं के खिलाफ हिंसा को संबोधित करने के लिए अग्रणी काम कर रहा है। जागोरी पिछले कुछ सालों से सार्वजनिक स्थलों को महिलाओं के लिए सुरक्षित बनाने के लिए सुरक्षित दिल्ली अभियान चला रही है। इन दो मजबूत संस्थागत भागीदारों के साथ ब्लेन्डिग स्पेक्ट्रम ने प्रोजेक्ट पर काम किया।

रिपोर्ट में सुरक्षा आंकड़ों का विश्लेषण शामिल है जिन्हें समुदाय के नेताओं द्वारा इकट्ठा किया गया था और उसमें बदलाव के लिए सुझाव भी दिए गए हैं। यह डेटा संग्रह, विश्लेषण, जाँच परिणामों को समुदाय के साथ बांटने और विभिन्न सरकारी निकायों के साथ पैरवी की प्रक्रियाओं की रूपरेखा प्रदान करती है। कार्यक्रम का उद्देश्य सुरक्षा ऑडिट कार्यप्रणाली को नए क्षेत्रों में ले जाना, विशेष रूप से खराब संसाधनों वाले समुदायों तक ले जाना और उन्हें शहरी स्थानों में सुरक्षा पर वैश्विक आंदोलन के साथ जोड़ना है। इस प्रक्रिया के माध्यम से टी.वाई.पी.एफ. ने सेफ्टीपिन और उसके साथी संगठनों द्वारा दिल्ली में चल रहे डेटा संग्रह में योगदान भी दिया है।

सुंदर नगर नर्सरी में सुरक्षा ऑडिट करने के अनुभव और परिणाम

''महिलाओं की सुरक्षा का ऑडिट (डब्ल्यू.एस.ए.) सार्वजनिक स्थलों में शहरी सुरक्षा की धारणा के बारे में जानकारी इकट्ठा करने और उसका आंकलन करने के लिए एक सहभागितापूर्ण तरीका है। यह बदलाव के लिए एक शक्तिशाली तरीका है, जो एक पूरे समुदाय को उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार पर काम करने के लिए एक साथ ला सकता है। डब्ल्यू.एस.ए. महिलाओं और अन्य कमजोर वर्ग के लोगों के लिए – सभी के लिए – एक सुरक्षित और अधिक आरामदायक वातावरण बनाने में मदद करता है'' (एमईटीआरएसी, 1998)।

सुरक्षा ऑडिट की यह वैश्विक समझ एस.एन.एन. द्वारा किए गए हस्तक्षेप की विशेषता है। सुरक्षा ऑडिट और पैरवी की प्रक्रिया की एक संक्षिप्त रूपरेखा, उसके बाद सुरक्षा ऑडिट रिपोर्ट और सुझाव आगे विस्तार से दिए गए हैं।

दृष्टिकोण का निमार्ण

कार्यक्रम की शुरुआत समुदाय के युवा नेताओं के लिए जेंडर, गतिशीलता और शहरीकरण पर प्रशिक्षण के आयोजन से हुई। इससे जेंडर पर उनके मौजूदा ज्ञान को मजबूती मिली और उसमें शहरीकरण पर एक नया आयाम जुड़ा। प्रशिक्षण ने महिलाओं की सुरक्षा का ऑडिट और इसे क्यों शुरू किया गया और विश्व स्तर पर इसका क्या प्रभाव है – पर भी समझ बनाई।

समुदाय में सुरक्षा का (मान)चित्रण

सेफ्टीपिन टीम ने मोबाइल ऐप्लिकेशन का उपयोग करने पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। फिर युवा नेताओं ने समुदाय के मानचित्रण का अभ्यास किया ताकि वे उन क्षेत्रों को चिह्नित कर सकें जिसका ऑडिट वे करना चाहेंगे। अपने समुदाय के अलावा, हुमायूं का मकबरा, डीपीएस मथुरा के बाहर की सड़क, ओबेरॉय फ्लाईओवर, और निजामुद्दीन दरगाह के पार बेघर आश्रय जैसे क्षेत्रों को ऑडिट करने के लिए चुना गया। एक बार ऑडिट शुरू होने के बाद समुदाय के युवा नेताओं ने अपने स्कूल के पास निजामुद्दीन पश्चिम को पंत नगर से जोड़ने वाले पुल को भी एक और महत्वपूर्ण स्थल के रूप में जोड़ा।

आंकड़े/डेटा एकत्र करना

एक माह की अवधि के दौरान युवा नेताओं ने सुंदर नगर नर्सरी के समुदाय और उसके आसपास के क्षेत्रों का ऑडिट किया। ऑडिट इन स्थानों के भौतिक रूप से जा कर और सेवाओं और भौतिक बुनियादी ढांचे में मौजूद कमियों का आकलन करने के द्वारा किया गया। इस के पीछे आधार यह था कि समुदाय में रहने वाले लोग कमियों और सुरक्षा के मुद्दों को सबसे अच्छी तरह जान सकते हैं। व्यवस्थित डेटा संग्रह का कार्य भी एस.एन.एन. के युवाओं के लिए एक बड़ी सीख रहा जिन्होंने पहले कभी ऐसी तकनीक नहीं देखी थी; यह अनुभव उनके लिए बहुत मूल्यवान था।

''सेफ्टी पिन का इस्तेमाल करना मेरे लिए एक नया और अद्भुत अनुभव था। मुझे पता है कि अब मैं दिल्ली में जो क्षेत्र सुरक्षित हैं और असुरक्षित हैं उनका पता लगाने के लिए ऐप्लिकेशन इस्तेमाल कर सकता हूँ''। सलमान, सामुदायिक युवा नेता, उम्र 15 साल

आंकड़ों/डेटा का विश्लेषण

सुरक्षा ऑडिट पूरा करने के बाद, सेफ्टीपिन की टीम ने सामुदायिक युवा नेताओं के साथ उन्होंने जो डेटा इकट्ठा किया था उसका विश्लेषण करने के तरीके के बारे में एक कार्यशाला का आयोजन किया। एनालिटिक्स इंजन और उसके डेटा संग्रह उपकरण को समझाया गया और युवा नेताओं ने गूगल के नक्शे पर डेटा को देखना, पहचान करना सीखा और एक सुरक्षा ऑडिट पिन को बनाने वाले नौ मापदण्डों में से हर एक के महत्व को जानने के लिए लाल, एम्बर और हरे रंग के पिन का अर्थ समझना सीखा। इस अभ्यास का उद्देश्य बड़े पैमाने पर डेटा संग्रह की प्रासंगिकता पर युवा नेताओं की एक ठोस समझ बनाना और विभिन्न हितधारकों के लिए उनके ऑडिट से बनाई जाने वाली रिपोर्ट को पेश करने के लिए उन्हें तैयार करना था।

समुदाय को जोड़ना

रिपोर्ट को विभिन्न हितधारकों के सामने लाने के लिए 14 नवंबर 2015 को एस.एन.एन. के अंदर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम ओ.एस.ए.एम. या ओपन था

सुरक्षा ऑडिट मानचित्रण कार्यक्रम विभिन्न हितधारकों को आने और एकत्र किये गये डेटा को देखने के लिए आमंत्रित करता है। बड़े समुदाय से सदस्यों ने सुरक्षा के मुद्दे पर अपने अनुभवों, विचारों और सुझावों को साझा किया। समुदाय में ऑडिट पिन दिखाते हुए बड़े नक्शों को सभी के देखने के लिए लगाया गया। समुदाय के सदस्य आ सकते थे और उन्हें असुरक्षित लगने वाले स्थानों पर निशान लगा सकते थे।

ओ.एस.ए.एम. कार्यक्रम के लिए समुदाय के युवा नेताओं ने घर घर जा कर समुदाय को प्रेरित किया। उन्होंने समुदाय में चारों ओर बैठक के विवरण वाले पोस्टर भी लगाए। प्रेरित करने की इस मुहिम ने युवाओं को अपने समुदाय के सदस्यों से बात करने और सुरक्षा के मुद्दे पर अपनी चिंताएं बताने के लिए एक मंच प्रदान किया। इस ने खुद युवा लोगों की एक परिवर्तन के एजेंट के रूप में दृश्यता को बढ़ाया।

ब्लेन्डिग स्पेक्ट्रम टीम ने विभिन्न सरकारी निकाय हितधारकों को निमंत्रण भेजने के लिए युवा नेताओं को सहायता प्रदान की। निजामुद्दीन पुलिस स्टेशन के एस.एच.ओ., विधान सभा के सदस्य और दिल्ली के निर्वाचित वार्ड पार्षद नगर निगम को ओ.एस.ए.एम. कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया गया।

युवा नेतृत्व में पैरवी

ओ.एस.ए.एम. कार्यक्रम में एरिया इंचार्ज सब इंस्पेक्टर श्री ईश्वर सिंह, सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी के विधायक के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। श्री इक्रिमुद्दीन, और श्री मोहम्मद उमेर, बेघर आश्रय से महिलाओं और एस.एन.एन. से लगभग 200 लोगों ने भी भाग लिया। सामुदायिक युवा नेताओं ने समुदाय में सुरक्षा की स्थिति पर अपने जाँच परिणामों को साझा किया और उसके बाद पुलिस और विधायक कार्यालय में समुदाय के सदस्यों के सवाल और शिकायतें पहुँचाईं। कार्यक्रम समुदाय में मुद्दों को बाहर लाने में सफल रहा।

लगभग सभी उपस्थित लोगों ने समुदाय के कुछ हिस्सों में बिजली के खंभे बनाने पर जोर दिया जहाँ अंधेरा रहता है, जिसके कारण वे महिलाएं और अन्य लोगों के लिए असुरक्षित हैं। गड्ढों और जमा कचरे और सीवेज के पानी के साथ चलने के रास्तों की स्थिति के बारे में भी सूचित किया गया। एक महिला ने याद किया कि कैसे कुछ समय पहले उसने डेंगू के कारण अपनी बेटी को खो दिया था और नगर निगम के अधिकारियों से घरों के पास में जमा कचरे के विशाल ढेर को साफ करने की अपील की। बेघर आश्रय के निवासियों ने भी यही आग्रह किया। इसके अलावा लोगों ने पानी के और अधिक नलों के लिए अनुरोध किया। समुदाय ने हिंसा और इन स्थितियों में पुलिस की निश्क्रियता की घटनाओं के बारे में भी बताया। समुदाय के अंदर दोबारा पुलिस बूथ बनाने के लिए विशेष रूप से समुदाय की महिलाओं की ओर से एक मजबूत मांग थी जिन्होंने कहा कि पुलिस की कमी के कारण उन्हें रात में इधर उधर जाने में असुरक्षित लगता है।

बेघर आश्रय से आयी महिलाओं ने एक बहुत ही खराब सेवाओं वाले समुदाय में रहने के अपने अनुभवों को साझा किया जहाँ नशीली दवाओं के प्रयोग और जुए जैसी खुली आपराधिक गतिविधियां होती हैं जो हर किसी की सुरक्षा से समझौता करती हैं। पुलिस और विधायक और दिल्ली नगर निगम द्वारा हस्तक्षेप की कमी को बार–बार दोहराया गया। दो युवा सामुदायिक नेताओं ने लड़कों द्वारा लड़कियों को छेड़ने के बढ़ते उदाहरणों पर नियंत्रण रखने के लिए पंतनगर में उनके स्कूल क्षेत्र के निकट पुलिसकर्मियों की तैनाती का अनुरोध किया।

पुलिस अधिकारी और विधायक कार्यालय के सदस्यों ने हर किसी की शिकायतों को सुना और उन्हें नोट किया। पुलिस अधिकारी ने अपना नंबर सबको दिया और समुदाय को आश्वासन दिया कि वे किसी भी आपात स्थिति के दौरान उन तक पहुँच सकते हैं। युवा नेताओं ने डेटा एकत्र करने के लिए एक मोबाइल ऐप्लिकेशन का इस्तेमाल किया था इस बात से वे काफी प्रभावित हुए थे और उन्होंने दिल्ली पुलिस की आपात ऐप्लिकेशन – हिम्मत – के बारे में सबको सूचित किया और महिलाओं से अपनी सुरक्षा के लिए इसका इस्तेमाल करने का अनुरोध किया। आम आदमी पार्टी के विधायक प्रवीण कुमार के कार्यालय से मोहम्मद उमेर, ने एस.एन.एन. के निवासियों को उनके पहले के आवेदनों में से एक पाइप लाइन निर्माण के लिए परमिट जारी करने और क्षेत्र में शौचालयों की स्थापना के बारे सूचित किया और उन्हें आश्वासन दिया कि उनके अन्य सभी सरोकारों पर भी ध्यान दिया जाएगा। और कहा हालाँकि, सरकार के पास पर्याप्त धन की कमी वजह से सभी आवश्यक स्थानों पर रोशनी स्थापित करने के लिए छह–सात महीने का समय लगेगा। उन्होंने भी बेघर आश्रय और एस.एन.एन. से लोगों को किसी भी मदद की जरूरत में सीधे उनके कार्यालय में आने के लिए प्रोत्साहित किया।

''जब भी हमने एफ.आई.आर. दर्ज करने की कोशिश की है या पुलिस से मदद के लिए कहा है, वे या तो हमें पुलिस स्टेशन में आने ही नहीं देते और हमारे ऊपर असंवेदनशील टिप्पणियां करते हैं या अनगिनत लिखित औपचारिकताओं को पूरा करने की मांग करते हैं जो मेरे जैसे अनपढ़ के लिए बहुत कठिन है। प्रक्रिया अटकी रहती है और अंत में संबंधित अधिकारियों द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की जाती।''

– बेघर आश्रय की एक महिला निवासी।

''एक साल पहले, किसी दूसरे इलाके की एक युवा लड़की बेहोशी की हालत में झाड़ियों में पड़ी मिली थी। चूंकि यह घटना केन्द्र सरकार के चुनावों के आसापास हुई थी, कुछ समय के लिए यह सुर्खियों में रही और पुलिस और राजनीतिक दलों द्वारा इस पर काफी ध्यान दिया गया जिसके बाद क्षेत्र में एक पुलिस बूथ स्थापित किया गया था। हालाँकि, जल्द ही अधिकतर लोग इस घटना को भूल गये और कुछ महीनों के बाद बूथ भी हटा दिया गया था।'' – एक एस.एन.एन. महिला निवासी

प्रभाव

इस गहन अभ्यास के प्रभाव ने सार्वजनिक स्थलों पर सुरक्षा के मुद्दे पर समुदाय के युवाओं के नेतृत्व का निर्माण किया है। सामुदायिक युवा नेताओं ने डेटा संग्रह, विश्लेषण और रिपोर्टिंग, सामुदायिक गतिशीलता और पुलिस और दिल्ली सरकार के निर्वाचित सदस्यों जैसे सरकारी निकाय के हितधारकों तक पहुँचने में प्रासंगिक कौशल विकसित किया है। टी.वाई.पी.एफ. की टीम ऐसे छोटे छोटे विवरणों में सोच लगाती है जैसे कि समुदाय के अंदर रणनीतिक स्थानों पर पोस्टर लगाने के लिए समुदाय के नेताओं का मार्गदर्शन करना ताकि उनकी पहुँच अधिकतम हो।

''पुलिस के साथ बातचीत में यह मेरा पहला अनुभव था। इस अनुभव के बाद मैं आपात स्थिति के मामले में पुलिस अधिकारी से बात करने में संकोच नहीं करूंगी।''
– करीना, सामुदायिक युवा नेता, उम्र 13 साल।

एस.एन.एन. के निवासियों ने सुरक्षा के मुद्दों पर प्रकाश डालने वाले इस कार्यक्रम को समुदाय में आयोजित किये जाने की सराहना की। एक सामुदायिक युवा नेता की माँ ने कहा, ''मैं बहुत खुश हूँ कि सलमान को इतनी अच्छी बातें सीखने को मिल रही हैं और इस तरह की प्रक्रियाएं हमारे समुदाय के लिए भी बहुत बढ़िया हैं।'' जब रिपोर्ट बनाई जा रही थी, रिपोर्ट से कार्यवाही पहले ही हो चुकी थी। एस.एन.एन. के अंदर के खुले गटरों को ठीक किया जा चुका था और पंत नगर में स्कूल के पास एक पुलिस गश्ती दल तैनात कर दिया गया था। पैरवी के इन सकारात्मक परिणामों ने सामुदायिक युवा नेताओं को अपनी रिपोर्ट में अन्य बिंदुओं पर पैरवी करने के लिए उत्साहित कर दिया है। कार्यक्रम इस काम को आसान बनाने के लिए आगे बढ़ेगा।

टी.वाई.पी.एफ. ने सरकारी निकायों को एस.एन.एन. के साथ जोड़ने के लिए उनके साथ एक लंबे समय तक संबंध बनाने के लिए काम शुरू कर दिया है। सेवाओं और संसाधनों के आवंटन में जवाबदेही के इस प्रयास की मांग का नेतृत्व समुदाय के युवा करेंगे। टी.वाई.पी.एफ. यहाँ युवाओं के लिए प्रासंगिक कौशल और अनुभवों के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है ताकि वे सरकरी निकायों की नौकरशाही के कामकाज की कई परतों से सफलतापूर्वक निपट सकें और अपने अधिकारों को दृढ़तापूर्वक कहने के लिए सक्षम हो सकें।

इस हस्तक्षेप के लंबे समय के लिए प्रभाव युवा लोगों की एक पलटन को सक्रिय और सशक्त बनाना होगा जो शहरीकरण के मुद्दों के बारे में जानते हों और अपने मौजूदा समुदायों को स्थानीय सरकार के हितधारकों के साथ जोड़ने में सक्षम हों।

''मुझे खुशी है कि हम डेटा इकट्ठा कर पाए जिसे दिल्ली के सभी निवासी देख सकते हैं और फायदा उठा सकते हैं।''
– सलमान, सामुदायिक युवा नेता, उम्र 15 साल।

''अब जब हम स्कूल से आते हैं और जाते हैं तब एक पुलिस कांस्टेबल मौजूद रहता है। जो आदमी हमें परेशान करते थे वो गायब हो गये हैं! हमने स्कूल में अपने अन्य दोस्तों को बताया कि यह हमने जो सुरक्षा ऑडिट किया था उसकी वजह से हुआ है, वे सब बहुत प्रभावित हुए।''
– शाहिद, उम्र 15 साल।

सुरक्षा ऑडिट रिपोर्ट

इसके आगे की रिपोर्ट सुंदर नगर नर्सरी के बच्चों द्वारा एक प्रयास है कि वे अपने परिवेश को कैसे देखते हैं और अपने समुदाय की सुरक्षा के मानकों में सुधार करने के लिए क्या सुझाव देते हैं। आंकड़ों का विश्लेषण सेफ्टीपिन एनालिटिक्स इंजन के उपयोग से किया गया है।

मानचित्र 1: सुंदर नगर नर्सरी क्षेत्र एक नक्शे पर सुरक्षा ऑडिट पिन्स

ऊपर मानचित्र 1 एकत्र किये गये सुरक्षा ऑडिट पिनों को दिखाता है। ऑडिट के दौरान कुल 60 पिन बनाये गये थे। 40 सुरक्षा ऑडिट पिन्स और 20 खतरे के पिन्स।

प्रत्येक पिन ने निम्नलिखित 9 मापदण्डों का विश्लेषण किया –

रोशनी – इलाके में रोशनी कैसी है, अंधेरा, खराब रोशनी, पर्याप्त रोशनी या चमकता हुआ उजाला।

खुलापन – क्या इलाके में सभी दिशाओं में सामने देखने के लिए स्पष्ट पर्याप्त खुला इलाका है या वहाँ दिखाई न देने वाले कोने हैं।

दृश्यता – क्या वहाँ आसपास इमारतें, दुकानें, स्टाल, और विक्रेता हैं जो उस बिंदु को अनदेखा करते हैं जहाँ सुरक्षा ऑडिट किया गया था।

भीड़ – क्या वहाँ लोग नज़र आते हैं।

सुरक्षा – क्या आसपास के क्षेत्र में निजी सुरक्षा या पुलिस दिखाई देती है।

पैदल रास्ता – क्या पैदल चलने के लिए रास्ता उपलब्ध है और क्या अच्छी हालत में है।

सुंदर नगर नर्सरी के औसत ऑडिट मापदण्ड

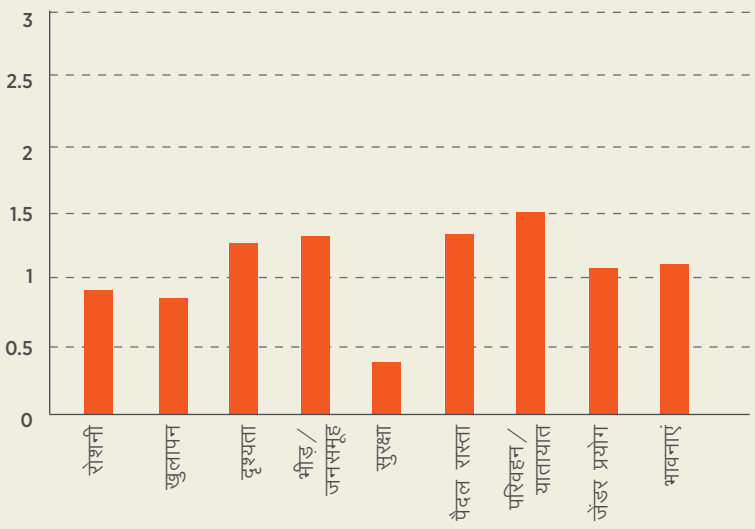

ग्राफ 1 – इन 9 ऑडिट मापदण्डों के औसत अंकों / स्कोर को दर्शाता है।

सार्वजनिक परिवहन – ऑडिट वाले इलाकों से सार्वजनिक परिवहन लेना कितना आसान या मुश्किल है।

जेंडर प्रयोग – क्या जनसमूह/भीड़ में जेंडर विविधता को संतुलित करने के लिए पर्याप्त महिलाएं और बच्चे हैं।

भावनाएं – ऑडिट के दौरान ऑडिट करने वालों को कैसा महसूस हुआ।

औसत ऑडिट मापदण्ड सभी मापदण्डों पर स्पष्ट रूप से कुल मिला कर कम अंक/स्कोर दिखाते हैं। दृश्य सुरक्षा, खुलापन और कम रोशनी विशेष रूप से खराब हैं। अंको/स्कोर को नीचे दी गई तालिका 1 में विस्तार से बताया गया है।

तालिका 1: सुंदर नगर नर्सरी के औसत ऑडिट मापदण्डों की व्याख्या।

मापदण्ड	*अंक/स्कोर*	*विवरण*
रोशनी	0.9 - खराब	समुदाय में ज्यादातर रोशनी समुदाय में घरों और कुछ दुकानों के अंदर से आती है। समुदाय के अंदर आने और बाहर जाने के बिंदुओं पर बहुत अंधेरा होता है।
खुलापन	0.8 - खराब	समुदाय में खुलापन बहुत कम है, जो ज्यादातर समुदाय के बेतरतीब निर्माण करने के कारण है, जिसकी वजह से कई संकरी गलियां हैं।
दृश्यता	1.2 - औसत से कम	समुदाय के प्रवेश और निकास बिंदुओं पर दृश्यता सड़कों पर कोई निगरानी न होने और ऊंची झाड़ियों के कारण प्राकृतिक निगरानी प्रतिबंधित होने के कारण विशेष रूप से कम है।
भीड़/जनसमूह	1.3 - औसत से कम	अधिकतर लोगों द्वारा घर के अंदर रहना चुनने के साथ समुदाय में सार्वजनिक स्थलों पर भीड़–भाड़ नहीं हैं।
सुरक्षा	0.3 - बहुत खराब	ऑडिट करने वालों को समुदाय के अंदर दिखाई देने वाली सुरक्षा नजर नहीं आई।
पैदल रास्ता	1.3 - औसत से कम	समुदाय में पैदल चलने का रास्ता बहुत सारे गड्ढों और कचरे के ढेरों के कारण बाधाओं के साथ औसत से नीचे है।
परिवहन/यातायात	1.5 - औसत	समुदाय से थोड़ी पैदल दूरी पर ऑटो रिक्शा, हाथ गाड़ी रिक्शा और बसें उपलब्ध हैं।
जेंडर प्रयोग	1 - औसत से कम	समुदाय में मिलेजुले जनसमूह और जेंडर जनसमूह की कमी है।
भावनाएं	1.1 - औसत से कम	ऑडिट करने वालों को समुदाय में सुरक्षा की भावना कम लगी।

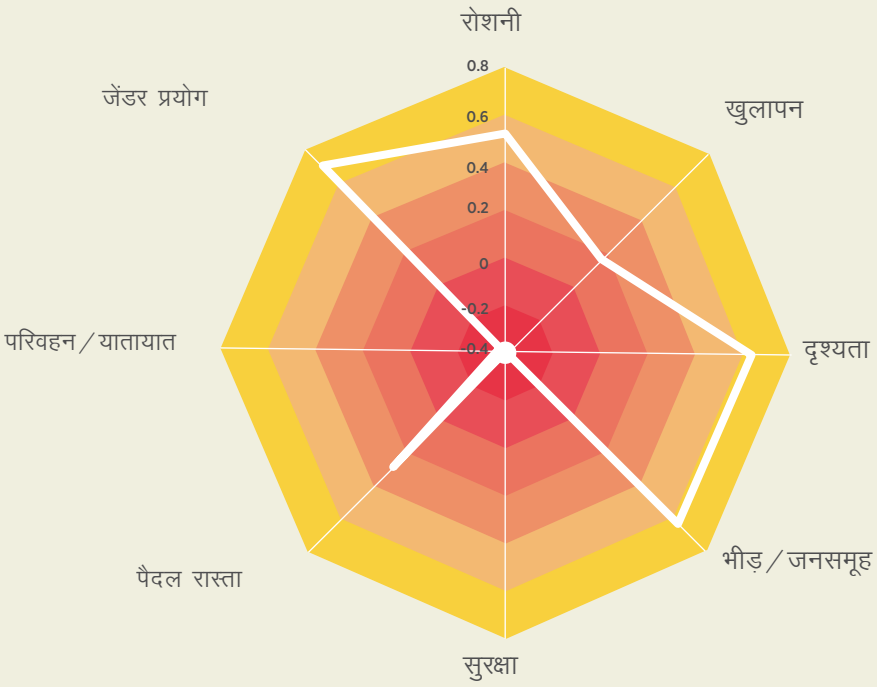

ग्राफ 2: सुरक्षा की भावना के साथ सुरक्षा ऑडिट के मापदण्डों का सहसंबंध

जैसा कि ग्राफ 2 में दिखाया गया है हमने पाया कि समुदाय में और आसपास के सार्वजनिक स्थलों में मिलेजुले जेंडर जनसमूह की उपस्थिति का सुरक्षा की भावना पर सबसे अधिक प्रभाव है। इसके बाद आती है दृश्यता, भीड़, और रोशनी की व्यवस्था। ये चारों कारक लोगों द्वारा सार्वजनिक स्थल सुरक्षित लगने से जुड़े हुए हैं। इसलिए सिर्फ बुनियादी ढांचे पर विषेश ध्यान देना ही नहीं बल्कि सड़कों को समुदाय में महिलाओं के लिए सुलभ बनाने के साथ व्यापक उपयोग के लिए डिजाइन और नियोजन करना भी महत्वपूर्ण है।

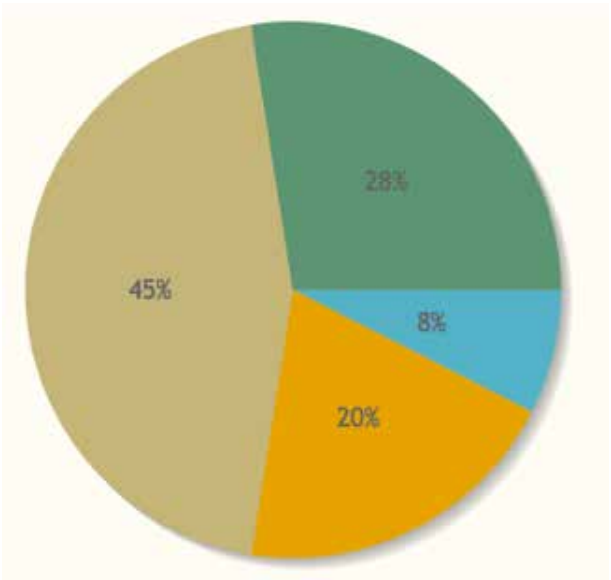

ऑडिट शाम 6 से 7 बजे के बीच किए गये थे जब अंधेरा हो गया था और रोशनी को आंका जा सकता था। केवल 8 प्रतिशत ऑडिट 5 बजे से पहले किये गये थे।

ग्राफ 3: ऑडिट चार्ट का समय

इसके अतिरिक्त सामुदायिक युवा नेताओं ने विशेष रूप से स्कूल – जिसमें समुदाय के सबसे अधिक बच्चे जाते हैं – के रास्ते पर एक जोखिम भरे रास्ते को ऑडिट करने का फैसला किया। ऑडिटरों के समूह ने बारापुला के ऊंचे गलियारे के नीचे से जाने वाले एक सुनसान दिखने वाले पुल का निरीक्षण किया। यह पुल निजामुद्दीन पश्चिम को पंत नगर से जोड़ता है। ऊपर ऑडिट पिन के साथ पुल का एक नक्शा है।

सभी औसत ऑडिट मापदण्ड कम पाये गये। ऑडिटरों को इलाके में कोई सुरक्षा और सार्वजनिक परिवहन का उपाय नहीं मिला। इलाके का जेंडर प्रयोग बहुत कम था। महिला ऑडिटरों को भी जब वे ऑडिट कर रही थीं तब आदमियों के एक समूह द्वारा परेशान किया गया।

ग्राफ 4: इलाके के औसत ऑडिट मापदण्डों को दर्शाता है और तालिका 2 प्रत्येक मापदण्ड के स्कोर का वर्णन विस्तार से करता है।

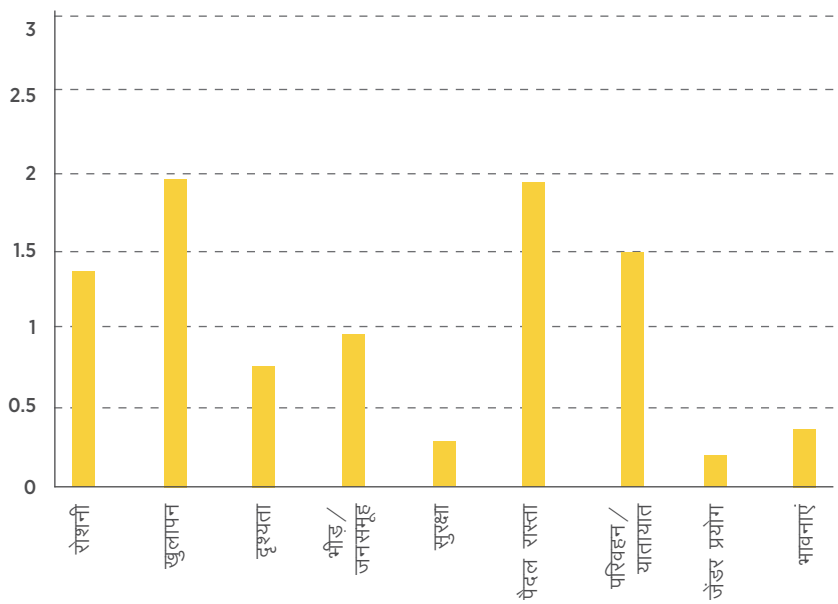

तालिका 2: पंत नगर पुल के औसत ऑडिट मापदण्डों की व्याख्या

मापदण्ड	*अंक/स्कोर*	*विवरण*
रोशनी	0.9 - खराब	समुदाय में ज्यादातर रोशनी समुदाय में घरों और कुछ दुकानों के अंदर से आती है। समुदाय के अंदर आने और बाहर जाने के बिंदुओं पर बहुत अंधेरा होता है।
खुलापन	0.8 - खराब	समुदाय में खुलापन बहुत कम है, जो ज्यादातर समुदाय के बेतरतीब निर्माण करने के कारण है, जिसकी वजह से कई संकरी गलियां हैं।
दृश्यता	1.2 - औसत से कम	समुदाय के प्रवेश और निकास बिंदुओं पर दृश्यता सड़कों पर कोई निगरानी न होने और ऊंची झाड़ियों के कारण प्राकृतिक निगरानी प्रतिबंधित होने के कारण विशेश रूप से कम है।
भीड़/जनसमूह	1.3 - औसत से कम	अधिकतर लोगों द्वारा घर के अंदर रहना चुनने के साथ समुदाय में सार्वजनिक स्थलों पर भीड़–भाड़ नहीं हैं।
सुरक्षा	0.3 - बहुत खराब	ऑडिट करने वालों को समुदाय के अंदर दिखाई देने वाली सुरक्षा नजर नहीं आई।
पैदल रास्ता	1.3 - औसत से कम	समुदाय में पैदल चलने का रास्ता बहुत सारे गडढ़ों और कचरे के ढेरों के कारण बाधाओं के साथ औसत से नीचे है।
परिवहन/यातायात	1.5 - औसत	समुदाय से थोड़ी पैदल दूरी पर ऑटो रिक्शा, हाथ गाड़ी रिक्शा और बसें उपलब्ध हैं।
जेंडर प्रयोग	1 - औसत से कम	समुदाय में मिलेजुले जनसमूह और जेंडर जनसमूह की कमी है।
भावनाएं	1.1 - औसत से कम	ऑडिट करने वालों को समुदाय में सुरक्षा की भावना कम लगी।

तालिका 2: पंत नगर पुल के औसत ऑडिट मापदण्डों की व्याख्या

सुझाव

सामुदायिक युवा नेताओं ने सुंदर नगर नर्सरी और उसके आसपास के क्षेत्रों के लिए सुझाव तैयार करने के लिए समूह चर्चा का आयोजन किया और इसमें स्कूल वाला पुल शामिल था जिसका उन्होंने ऑडिट किया था। ओ.एस.ए.एम. कार्यक्रम के दौरान इन सुझावों में और भी सुझाव जोड़े गये हैं –

सुंदर नगर नर्सरी के लिए सुझाव –

रोशनी को ठीक करना – समुदाय में सारी रोशनी को बेहतर बनाना और विशेष रूप से प्रवेश और निकास बिंदुओं पर सुधार करना। गोल चक्कर से प्रविष्टि में कोई बिजली की व्यवस्था नहीं है; मस्जिद से जो थोड़ी बहुत रोशनी आती है वह ऊंची झाड़ियां से रुक जाती है। हम इस सड़क पर और नए बिजली के खंभे लगाने और पेड़ों की नियमित रूप से छंटाई करने का सुझाव देते हैं ताकि रोशनी न रुके। डीपीएस मथुरा सड़क के किनारे से प्रवेश द्वार बहुत ही अंधेरा है भले ही यह एक प्रमुख द्वि–लेन है। फ्लाईओवर पर बिजली के खंभों को ठीक करने और सड़क के इस हिस्से में रोशनी के अतिरिक्त स्रोत की जरूरत है। इसके अलावा समुदाय के रास्ते पर बढ़ती हुई लंबी घास की छंटाई होनी चाहिए। बेघर आश्रय में भी रोशनी की व्यवस्था की जरूरत है, वर्तमान में यहाँ बिल्कुल रोशनी नहीं है और वहाँ चलना बहुत मुश्किल है, खासकर अंधेरा होने के बाद।

पैदल रास्ते की मरम्मत – पैदल रास्ते समुदाय में एक समान रूप से औसत से कम हैं। गड्ढे हैं जो चलना मुश्किल कर देते हैं। समुदाय की तंग गलियों में सड़कें कच्ची हैं और बहुत सा गंदा पानी और कचरा फैला रहता है। हम समुदाय से कचरा हटाने और फिर योजनाबद्ध तरीके से निपटान के लिए उठाये जाने का सुझाव देते हैं। सुरक्षा को एक खतरा होने के अलावा यह समुदाय के लिए एक प्रमुख स्वास्थ्य जोखिम भी है। इसके अतिरिक्त बेघर आश्रय का पैदल रास्ता बहुत खराब है और कचरा घरों के पास फेंक दिया जाता है। इसे सही करने की आवश्यकता है।

भीड़/जनसमूह – ऑडिटरों ने पाया कि समुदाय के सदस्य अंधेरा होने के बाद बाहर नहीं निकलते हैं। समुदाय के आम स्थान आमतौर पर सुनसान रहते हैं। हम लोगों को बाहर आने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए सार्वजनिक स्थानों में बेंचों जैसा फर्नीचर लगाने का सुझाव देते हैं। हम यह सुझाव भी देते हैं कि मदीना मस्जिद के बाहर खुली जगह को बच्चों के लिए एक नामित मैदान में बदल दिया जाना चाहिए। यह लोगों को आने और सार्वजनिक स्थलों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

सार्वजनिक स्थानों के अधिक जेंडर प्रयोग को समर्थन – समुदाय में सार्वजनिक स्थलों का जेंडर प्रयोग बहुत कम है। हम सामान्य क्षेत्रों के मिश्रित उपयोग को प्रोत्साहित करने का सुझाव देते हैं ताकि महिलाएं बाहर आ सकें। यह कार्य विक्रेताओं को अपने स्टॉल इस तरह से फैला कर लगाने से किया जा सकता है जिससे समुदाय के अंदर सभी क्षेत्र शामिल हो जाएं।

सुरक्षा – क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ाये जाने की जरूरत है। हम सुझाव देते हैं कि निजामुद्दीन पुलिस स्टेशन समुदाय में दिल्ली पुलिस का युवा हस्तक्षेप कार्यक्रम शुरू करे ताकि स्टेशन के लिए जो रास्ता है उसे मजबूत बनाया जा सके। समुदाय में पुलिस बूथ को दोबारा शुरू करने के लिए एक मांग जिसे पिछले साल बंद कर दिया गया था। इसके अलावा बेघर आश्रय से महिलाओं ने जुआ और नशीली दवाओं के प्रयोग को रोकने के लिए और अधिक पुलिस कार्रवाई के लिए अनुरोध किया है।

खुलापन – खुलापन बढ़ाने के लिए समुदाय के बाहरी किनारों पर पेड़ों की छंटाई करने की जरूरत है। बेतरतीब

निर्माण के कारण कई संकरी गलियां हैं हालाँकि इन्हें ठीक नहीं किया जा सकता है, लेकिन सड़कों पर बिजली के खंभे लगाने और सड़कों से कचरा हटाने से यहाँ पैदल चलने वालों के लिए एक तरह से आराम को बढ़ाया जा सकता है।

दृश्यता – दृश्यता को सड़क पर अधिक आंखें बढ़ाने सड़क विक्रेताओं के माध्यम से प्राकृतिक निगरानी बढ़ाने, ऊंची दीवारों को हटाने, ऊंची हो गयी झाड़ियों को छांटने, और समुदाय के डिजाइन में बेंचों और पार्कों को जोड़कर किया जा सकता है। कुछ विशेष रूप से अंधेरे और सुनसान क्षेत्रों को समुदाय की बैठकें आयोजित करने, विक्रेताओं को यहाँ खड़ा होने के लिए अनुरोध द्वारा तब्दील किया जा सकता है।

अधिक नल – एस.एन.एन. में महिलाओं ने और अधिक नलों के लिए अनुरोध किया क्योंकि इतने सारे परिवारों के बीच एक नल साझा करने से पर्याप्त पानी मिलना बहुत मुश्किल हो जाता है।

पंत नगर पुल और स्कूल के लिए सुझाव –

सुरक्षा में बढ़ोतरी – हम दृढ़ता से सुझाव देते हैं कि पुलिस कांस्टेबल तैनात किया जाना चाहिये और विशेष रूप से स्कूल के समय के दौरान पुल पर तैनात किये जाने चाहिये। इससे छात्रों के लिए बहुत जरूरी सुरक्षा मुहैया होगी। महिला युवा नेताओं ने बताया कि कई लड़कियां वहाँ उपस्थिति यौनिक रूप से परेशान करने वाले आदमियों की वजह से अकेले पुल पार करने में डरती हैं। इससे महिला छात्रों की उपस्थिति में कमी आई है और यह चिंता का विषय है।

स्कूल के अधिकारियों को छोटे बच्चों के साथ पुल पार करने के लिए प्रोत्साहित करना। इसके अतिरिक्त बड़े छात्रों को छोटे छात्रों की जिम्मेदारी लेने और स्कूल से समूहों में निकलने के लिए अनुरोध किया जा सकता है ताकि वे अकेले न हों। हाथ रिक्शा चालकों को विशेष रूप से स्कूल के समय के दौरान, यात्रियों को लेने के लिए पुल के अंत में खड़े रहने के लिए अनुरोध किया जा सकता है।

सड़क विक्रेताओं को पुल पर खड़े रहने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है, विशेष रूप से दोपहर और शाम के समय जब छात्रों की स्कूल से छुट्टी होती है।

प्रभाव और आगे का रास्ता

ब्लेन्डिग स्पेक्ट्रम कार्यक्रम के युवा नेताओं द्वारा सुंदर नगर नर्सरी स्लम समुदाय के चारों ओर सुरक्षित और असुरक्षित स्थानों के मानचित्रण की प्रक्रिया ने नई दिल्ली के बुनियादी ढांचे में मौजूद कमियों को दिखाया है। इस रिपोर्ट के जाँच परिणाम और सुझाव 12 से 17 साल की उम्र के किशोरों और युवा वयस्कों के नजरिए से हैं। यही लेंस है जो अधिकतर हमारे नगरों के शहरी डिजाइन से सबसे अधिक नदारद रहता है।

यह अध्ययन विशेष महत्व का है क्योंकि यह भारत में शहरी मलिन बस्तियों में मौजूद सुरक्षा की कई कमियों की ओर ध्यान आकर्षित करता है। रिपोर्ट और उसके मजबूत फौलोअप ने छोटी सी अवधि में सकारात्मक प्रभाव दिखाया है। सामुदायिक युवा नेताओं के लिए नेतृत्व कार्यक्रम, रिपोर्ट के कार्यवाही बिंदुओं पर काम करता रहेगा और सरकारी निकायों के साथ सीधे पैरवी जारी रखेगा और समुदाय की बड़ी भागीदारी के लिए काम करना जारी रखेगा। यह यहाँ रहने वाले युवाओं की नेतृत्व क्षमता को मजबूत करेगा, ताकि वे खुद के और दूसरों के लिए सुरक्षित समुदाय की माँग के मुद्दे पर अधिकार के साथ बात कर सके।

the yp foundation

DEVELOPING POTENTIAL IN YOUNG PEOPLE

हमसे संपर्क करें :
एन – 204, ग्रेटर कैलाश भाग – 1
नई दिल्ली – 110048, भारत
टेलिफोनः + 91 11 46792243 / 44
ईमेल : holler@theypfoundation.org
फेसबुक : /theypfoundation
ट्विटर : /theypfoundation
यूट्यूब : /theypfoundation
वेबासाईट : /theypfoundation